अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ में दिनाँक 03–02–2016 को "हिन्दी साहित्य परिषद" के तत्वावधान में "अर्न्तमहाविद्यालय कहानी लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अनेक महाविद्यलायों के छात्र व छात्राओं ने भाग लिया. इस प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा प्रथम स्थान पर प्रीति चौहान (दयानन्द महाविद्यालय, फरीदाबाद), द्वितीय स्थान पर पूनम भाटी (अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़), तृतीय स्थान पर पूनम (राजकीय महाविद्यालय, होडल) तथा प्रोत्साहन कविता (अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़) रहें तथा चल बैजयन्ती पुरस्कार दयानन्द महाविद्यालय, फरीदाबाद को दी गई.

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता जी ने दीपशिखा प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. प्रतियोगिता से पूर्व सभी छात्र–छात्राओं को मुंशी प्रेमचन्द्र की लोकप्रिय कहानी "नमक का दरोगा" और "ठाकुर का कुआँ" को प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया. मंच संचालन हिन्दी विभाग के प्रवक्ता डॉ0 बाँके बिहारी ने किया.

इस कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती किरण आनन्द जी ने किया. मुख्य अतिथि ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा साहित्य समाज और राष्ट्र का अभिन्न संम्बन्ध है. जिस राष्ट्र का साहित्य जितना सम्पन्न होगा वह राष्ट्र उतना ही सशक्त होगा. उन्होंने कहा वर्तमान में इन्टरनेट की बहुल्यता के चलते आज की पीढ़ी विचार पंगु हो रही है. इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन आज के विद्यार्थियों की रचना धर्मिता और मौलिक उदभावनाओं को अंकुरित करने के लिए एक अच्छी पहल है. एसी साहित्यिक प्रतियोगिताएँ युवाओं में रचनात्मक क्रिया शीलता और मौलिक उदभावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक सुन्दर मार्ग प्रशस्त करती है.

इस अवसर पर डॉ0 रेनू मेहश्वरी, डॉ0 बाँके बिहारी, डॉ0 मंजू गुप्ता आदि उपस्थित थे.

<u>अन्तराष्ट्रीय स्तर पर अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ के छात्र ने परचम लहराया</u>

दिनाँक 29 जनवरी से 31 जनवरी 2016 तक चलने वाली सॉफ्ट बॉल की इंडो–भूटान सीरीज में अग्रवाल महाविद्यालय के बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष के छात्र वैभव सिंह ने भारत की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए 3–0 से सीरीज़ में जीत दर्ज करवा कर भारत के

लिए स्वर्ण–पदक जीता. यह जीत सभी भारतीयों और विशेष रूप से अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ के लिए अत्यन्त गौरवमयी है. वैभव की इस गरिमामय उपलब्धि पर कॉलेज प्रबन्ध समिति के प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता, प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता और सभी प्राध्यापकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी. इस जीत का श्रेय वैभव की मेहनत, लग्न और कॉलेज के डी.पी.ई श्री नन्द किशोर को विशेष रूप से जाता है.